महोदय, जंघई-प्रतापगढ़ रेलवे लाइन का दोहरीकरण निकट भविष्य में होना है। रेल लाइन के उत्तरी एवं दक्षिणी छोर पर ग्रामवासियों का निवास है। बीच में pitch road होने के कारण कई गाँवों को यह मार्ग जोड़ता है। इसी मार्ग से कई गाँवों में आना-जाना पड़ता है। इस स्थान तक कृषि कार्य हेतु आने-जाने के लिए कोई साधन नहीं है, जिससे बहुत सी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यहाँ तक कि कोई भी कार्य करने के लिए ग्राम वासियों को 10 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे कोई भी कृषि कार्य करने में बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अगर कोई व्यक्ति बीमार हो गया, तो उसे उस ट्रैक को बार-बार क्रॉस करना पड़ता है, जिससे आए दिन दुर्घटना होती रहती है।

महोदय, अतः मैं सरकार का ध्यानाकर्षण करना चाहती हूँ कि ग्रामसभा नराड़ में 854/0-01 पर अंडरपास बनवाने की कृपा करें ताकि जनमानस को सुविधा मिले, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shrimati Seema Dwivedi: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shrimati Maya Naroliya (Madhya Pradesh), Shri Sandosh Kumar P (Kerala) and Shri Imran Pratapgarhi (Maharashtra).

श्री उपसभापतिः माननीय श्री संजय यादव जी। 'Demand to Open New Kendriya Vidyalayas and Jawahar Navodaya Vidyalayas in the State of Bihar'.

Demand to open new Kendriya Vidyalayas and Jawahar Navodaya Vidyalayas in Bihar

श्री संजय यादव (बिहार) **:** उपसभापति महोदय, हाल ही में भारत सरकार द्वारा देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 85 केंद्रीय विद्यालय और 28 जवाहर नवोदय विद्यालयों की स्थापना की स्वीकृति दी गई है। मैं सदन का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूँ कि इन 85 केंद्रीय विद्यालयों और 28 जवाहर नवोदय विद्यालयों में से बिहार को एक भी केंद्रीय विद्यालय और जवाहर नवोदय विद्यालय नहीं दिया गया है। जनसंख्या के आधार पर बिहार तीसरे नंबर पर है। देश की लगभग 10 फीसदी आबादी बिहार में रहती है, यानी हर दसवां भारतीय बिहार से है, लेकिन इसके बावजूद भी बिहार की अनदेखी करना कहीं से वाजिब प्रतीत नहीं होता है।

महोदय, अगर ऐसे राज्यों की सूची बनाई जाए, जहाँ प्रति एक लाख व्यक्ति के अनुपात में सबसे कम केंद्रीय विद्यालय हैं, तो वह बिहार में है। बिहार में पटना जिला को छोड़ कर बाकी जिले में एक से अधिक केंद्रीय विद्यालय नहीं है। पूर्णिया में तो केंद्रीय विद्यालय की अपनी बिल्डिंग तक नहीं है।

उपसभापति महोदय, बिहार देश के सबसे पिछड़े राज्यों में से एक है। देश में सबसे कम साक्षरता दर बिहार में है। महिलाओं की साक्षरता दर में भी बिहार सबसे नीचे है। Multi-dimensional poverty index में बिहार सबसे नीचे है, नीति आयोग के SDG Index में बिहार सबसे नीचे है, gross enrolment ratio में बिहार सबसे नीचे है, ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे कम

साक्षरता दर बिहार में है, देश में सर्वाधिक निरक्षरता बिहार में है, school dropout rate सबसे अधिक बिहार में है, तो महोदय, समुचित विकास एवं औद्योगीकरण के अभाव में शिक्षा ही एकमात्र ऐसा साधन है, ऐसा रास्ता है, जिससे हम बिहार जैसे राज्य को पिछड़ेपन और गरीबी के दुष्चक्र से निकाल कर प्रगति पथ पर ले जा सकते हैं। कम खर्च पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए बिहार में केंद्रीय विद्यालय और जवाहर नवोदय विद्यालयों की अधिक-से-अधिक आवश्यकता है।

महोदय, हम जानना चाहते हैं कि जवाहर नवोदय विद्यालय और केंद्रीय विद्यालय स्थापित करने का criteria क्या है? बिहार में सबसे कम साक्षरता दर है, सबसे कम महिला साक्षरता दर है, सर्वाधिक निरक्षरता दर है, सबसे अधिक स्कूल ड्रॉप आउट रेट है, सबसे कम gross enrolment ratio बिहार में है, अगर यह पैमाना माना जाए, तो सबसे अधिक केंद्रीय विद्यालय और जवाहर नवोदय विद्यालय बिहार को मिलना चाहिए, लेकिन यहाँ उल्टा हो रहा है। हर दसवां भारतीय बिहारी है, तीसरी सबसे अधिक जनसंख्या बिहार की है, फिर भी आप बिहार को ही केंद्रीय विद्यालय और जवाहर नवोदय विद्यालय नहीं देना चाहते हैं।

उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहता हूँ कि बिहार को इसमें उपेक्षित क्यों रखा गया? महोदय, मैं सरकार से माँग करता हूँ कि बिहार में अधिक-से-अधिक केंद्रीय विद्यालय और जवाहर नवोदय विद्यालय की स्थापना की जाए। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member Shri Sanjay Yadav: Shri A. A. Rahim (Kerala), Shrimati Sagarika Ghose (West Bengal), Shri Prem Chand Gupta (Bihar), Shri Saket Gokhale (West Bengal), Shri Sant Balbir Singh (Punjab), Shri Ashok Singh (Madhya Pradesh), Shrimati Priyanka Chaturvedi (Maharashtra), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Manoj Kumar Jha (Bihar), Dr. Faiyaz Ahmad (Bihar), Shri Imran Pratapgarhi (Maharashtra), Shri Jose K. Mani (Kerala), Dr. Sasmit Patra (Odisha) and Shri Niranjan Bishi (Odisha).

माननीय श्री मुजीबुल्ला खान। 'Demand to take Steps to Restore and Upgrade CPRI's Testing Infrastructure'.

Demand to take steps to restore and upgrade CPRI's testing infrastructure

श्री मुजीबुल्ला खान (ओडिशा): उपसभापति महोदय, आज मैं देश के एक महत्वपूर्ण विषय को उठाना चाहता हूँ। माननीया वित्त मंत्री जी भी यहाँ मौजूद हैं, यह मेरे लिए बहुत खुशनसीबी है कि उनको भी यह पता चले कि वे जो रुपया sanction करती हैं, उसका कैसा दुरुपयोग हो रहा है। Central Power Research Institute (CPRI) 1960 में बनी थी। हमारे देश में जो electrical equipment बनते हैं, वहाँ पर उनकी टेस्टिंग की जाती है और certificate दिया जाता है। उनका certification किया जाता है ताकि उनको उपयोग में लाया जाए, लेकिन पिछले 15 साल से उस